ॐ जय जगदानन्दी,
मैया जय आनंद कन्दी,
ब्रह्मा हरिहर शंकर,
रेवा शिव हरि शंकर,
रुद्रौ पालन्ती,
ॐ जय जगदानंदी।।

देवी नारद सारद तुम वरदायक,
अभिनव पदचंडी,
सुर नर मुनि जन सेवत,
शारद पद्वंती,
ॐ जय जगदानंदी।।

देवी धूम्रक वाहन राजत,
वीणा वाद्यन्ती,
झुमकत झुमकत झुमकत,
झननन झननन झननन,
रमती राजन्ती,
ॐ जय जगदानंदी।।

देवी बाजत ताल मृदंगा,
सुर मण्डल रमती,
तोड़ीतान तोड़ीतान तोड़ीतान,
तुरड़ड़ तुरड़ड़ तुरड़ड़,

रमती सुरवन्ती,
ॐ जय जगदानंदी।।

देवी सकल भुवन पर आप विराजत,
निशदिन आनन्दी,
गावत गंगा शंकर,
सेवत रेवा शंकर,
तुम भट मेटन्ती,
ॐ जय जगदानंदी।।

मैयाजी को कंचन थार विराजत,
अगर कपूर बाती,
अमरकंठ में विराजत,
घाटन घाट बिराजत,
कोटि रतन ज्योति,
ॐ जय जगदानंदी।।

मैयाजी की आरती निशदिन,
जो कोई नर गावे,
भजत शिवानन्द स्वामी,
जपत हरि हर स्वामी,
मनवांछित फल पावे,
ॐ जय जगदानंदी।।

ॐ जय जगदानन्दी,
मैया जय आनंद कन्दी,
ब्रह्मा हरिहर शंकर,

रेवा शिव हरि शंकर,
रुद्रौ पालन्ती,
ॐ जय जगदानंदी।।

स्वर शहनाज़ अख्तर।

Source: https://www.bharattemples.com/jai-jagda-nandi-maa-narmada-aarti/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw